

भाषा संगम Bhasha Sangam

Konkani

Volume 09

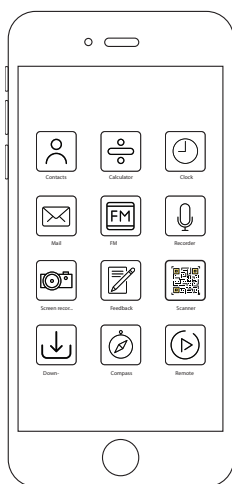


एक भारत श्रेष्ठ भारत

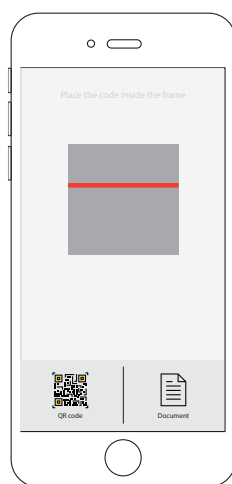
STEP-BY-STEP GUIDE FOR USERS TO ACCESS E-RESOURCES LINKED TO QR CODES

The coded box included in this book is called Quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios related to the sentences in the 22 languages given in the book. The first QR code is to access the complete e-book. The subsequent QR codes will help to access the relevant e-Resources linked to the languages in alphabetical order. This will help you enhancing your learning in joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your mobile phone or tablet.



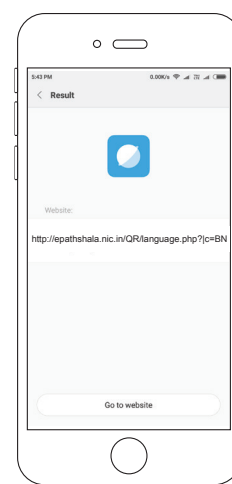
Install QR Code Scanner app from Play Store and open



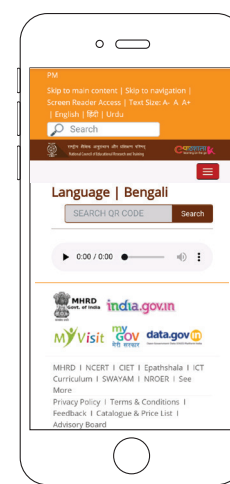
Get ready with QR code scanning window



Place scanner above the QR code




Select and click on the link



Use available e-Resource

For accessing the e-Resources on a computer or laptop follow the steps stated below:

1. Open the web browser like Firefox, Chrome etc. 
2. Go to the ePathshala website (<http://epathshala.gov.in>) and click on **Ek Bharat Shreshtha Bharat** Menu
3. Select the language and access the audio and video

भाषा संगम *Bhasha Sangam*



Konkani

Volume 09

एक भारत श्रेष्ठ भारत

धर्मेन्द्र प्रधान
धर्मेश्वर प्रधान
Dharmendra Pradhan



मंत्री
शिक्षा; कौशल विकास
और उद्यमशीलता
भारत सरकार

Minister
Education; Skill Development
& Entrepreneurship
Government of India

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (NCERT), नई दिल्ली विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को रुचिकर एवं आनंदप्रद बनाने के उद्देश्य से बहुआयामी तथा रोचक गतिविधियों को तैयार कर रहा है।

हमारा देश 'विविधता में एकता' की भावना को सम्पुष्ट करने वाला देश है। बहुभाषिकता हमारे देश की अनूठी विशेषता है। हम आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से तो एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं ही, साथ ही भारतीय भाषाएं अंतर्भाषिक रूप से भी एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। इसलिए बहुभाषी होना हमें एक-दूसरे को जानने, समझने के साथ-साथ देश को भी मजबूती से जोड़ने में मदद करता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी बहुभाषिकता को एक ताकत के रूप में देखा गया है। शोध एवं अनुसंधानों से स्पष्ट है कि शुरुआती वर्षों में बच्चों में भाषा सीखने की अद्भुत क्षमता होती है। इसलिए कई भाषाओं के माध्यम से खेल-खेल में सीखने संबंधी अभ्यास करवाया जाए तो निश्चय ही बेहतर परिणाम होंगे। साथ ही, अन्य विषयों को सीखना भी आसान हो जाएगा। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा में उनकी मातृभाषाओं या आस-पास की भाषाओं के साथ-साथ अन्य भाषाओं से भी परिचय कराने का प्रावधान किया गया है। शुरुआती दौर में यह प्रयास हमारे संविधान में शामिल 22 भारतीय भाषाओं तथा अंग्रेजी के माध्यम से किया गया है, जिसका धीरे-धीरे अन्य भाषाओं तक विस्तार किया जाएगा।

एनसीईआरटी द्वारा बहुत ही रचनात्मक ढंग से अनेक बहुआयामी एवं रोचक गतिविधियों को तैयार किया गया है। इसके माध्यम से बच्चे खेल-खेल में पूरे देश की संस्कृति, समाज, भूगोल, रहन-सहन इत्यादि को जान सकते हैं। यह रचनात्मकता आकलन संबंधी रचनात्मकता की भी मांग करती है, इसलिए ऐसे कुछ आकलन संबंधी बिंदु भी इसमें शामिल किए गए हैं। एनसीईआरटी का यह प्रयास निश्चित ही पूरे भारत को एक सूत्र में बांधते हुए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना को समृद्ध करेगा तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को व्यवहारिक रूप प्रदान करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगा।

मैं संस्थान को इन उत्कृष्ट प्रयासों हेतु हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

धर्मेन्द्र
(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा



कौशल भारत, कुशल भारत

MOE - Room No. 3, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 115, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
MSDE - Room No. 516, 5th Floor, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110001, Phone : 91-11-23465810, Fax : 011-23465825
E-mail : minister.sm@gov.in, minister.msde@gov.in

About Bhasha Sangam...

Language is a major instrument in shaping individuals, society, culture, learning and education, thinking and identity of people. Language learning, as we know, is fundamental to all learning and harmonious development of young children into citizens for a country. Learning many languages in school and in society is common in our country and almost all Indians are multilinguals. This multilingual characteristics of the country is reflected in school education as the school curriculum advocates learning of many languages.

Bhasha Sangam is yet another effort in moving towards achieving the goal of education as also the vision of the Indian Constitution. **National Education Policy 2020**, while deliberating on language education in school underscores the need for recognising and promoting multilingualism as a path to realising the fundamental aims of education and schooling. The effort to enable our learners learn and use 100 sentences in the 22 languages will go in a long way in promoting language learning and understanding others through schooling. I sincerely hope that this programme of *Bhasha Sangam* is taken in all seriousness and implemented in schools to achieve the goals of education.

I wish all learners, teachers and head teachers the best to benefit the maximum from *Bhasha Sangam*.

भाषा वह माध्यम है जो प्रत्येक व्यक्ति, समाज, संस्कृति, शिक्षा, चिंतन और जन अस्मिता को स्वरूप प्रदान करता है। जैसा कि विदित है कि भाषा सीखना और सिखाना मानवता के लिए एक मूलभूत आवश्यक तत्त्व है। इसके परिणाम स्वरूप नागरिकों में एकता और सद्भावना विकसित होती है। विद्यालयों में अनेक भाषाओं का शिक्षण एक सामान्य बात है और लगभग सभी भारतीय बहुभाषी हैं। बहुभाषिकता की इसी विशेषता को लक्षित करते हुए स्कूली पाठ्यक्रम में बहुभाषिकता को प्रोत्साहन प्रदान करना आवश्यक है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत भाषा संगम एक प्रयास है जो यह सुनिश्चित करता है कि सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान और प्रसार हो। इसके अंतर्गत यह चेष्टा की गई है कि सभी शिक्षार्थी 22 भाषाओं में 100 वाक्यों को सीखने और बोलने का प्रयास करेंगे। इस प्रकार विभिन्न भाषाओं के प्रति समझ, रूचि और बोध संभव होगा।

मुझे पूरी आशा है कि भाषा संगम को पूर्ण गंभीरता से कार्यान्वित किया जाएगा, जिससे स्कूली शिक्षा के हमारे इस महती लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकेगा। मैं सभी शिक्षार्थियों, अध्यापकों और विद्यालय प्रमुखों को भाषा संगम अभियान का लाभ उठाने की शुभकामनाएँ देता हूँ।



Sridhar Srivastava

Director

National Council of Educational Research and Training

New Delhi 110016

एक भारत श्रेष्ठ भारत भाषा संगम



आप और हम एक ऐसे देश में रहते हैं जहाँ थोड़ी-थोड़ी दूरी पर भाषा बदल जाती है। आप एक से ज़्यादा भाषा जानते, समझते, सुनते या बोलते होंगे, इस बात में कोई शक नहीं हो सकता। यह हमारे देश और समाज की खूबसूरती है। आपकी कक्षा में आने वाले बच्चे भी ऐसे पारिवारिक या सामुदायिक परिवेश से आ सकते हैं जहाँ एक से ज़्यादा भाषाएँ बोली जाती हों। संभावना ये भी है कि स्कूल में इस्तेमाल होने वाली भाषा बच्चों के परिवेश में मौजूद न हो। इस सामाजिक सच्चाई को स्कूल में उचित स्थान मिलना ज़रूरी है।

इन्हीं विविधताओं का सम्मान करते हुए और उन्हें आपस में जोड़े रखने के लिए “एक भारत, श्रेष्ठ भारत” के अंतर्गत ‘भाषा संगम’ कार्यक्रम की परिकल्पना की गई है। ‘भाषा संगम’ हमारे संविधान की आठवीं अनुसूची में निहित भारतीय भाषाओं से विद्यार्थियों को परिचित करवाने और बहुभाषिकता के प्रति जागरूक करने की ओर एक पहल है। इसके फलस्वरूप विद्यार्थी न केवल बहुभाषिकता के प्रति जागरूक होंगे बल्कि उस भाषा का इस्तेमाल करने वाले लोगों की सामाजिक, सांस्कृतिक व्यवहारों और संदर्भों को समझ पाएंगे।

भाषा संगम के उद्देश्य

- भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में निहित सभी 22 भारतीय भाषाओं से विद्यार्थियों को परिचित करवाना।
- सभी भाषाओं के प्रति आदर और सम्मान को बढ़ावा देना।
- विद्यार्थियों को इन भाषाओं के माध्यम से देश की अनूठी सांस्कृतिक छटाओं और व्यवहारों के समीप लाना।

भाषा संगम का क्रियान्वयन

भाषा संगम की शुरुआत में विद्यार्थियों को अलग-अलग भाषाओं के पाँच वाक्य सीखने के मौके दिये गए। फलस्वरूप विद्यार्थियों में इन भाषाओं को विस्तार से जानने की और इन भाषाओं को बोलने वाले लोगों के सांस्कृतिक, सामाजिक व भाषिक व्यवहार को जानने समझने की जिज्ञासा बढ़ी। इसलिए विद्यार्थियों को 22 भाषाओं में लगभग 100 वाक्यों के गुच्छे सीखने के लिए दिये जा रहे हैं। इन वाक्यों से परिचित कराने से पहले एक अपेक्षित माहौल बनाने की जरूरत होगी, जिससे कि दूसरी भाषाओं को सीखने में सुगमता और सहजता आ सके। हमारा विश्वास यह है कि विद्यार्थी इन्हीं वाक्यों तक सीमित न रह कर आगे बढ़ें।

- यह कार्यक्रम राज्यों व केन्द्रशासित प्रदेशों के विद्यालयी शिक्षा विभाग द्वारा संचालित किया जाएगा।
- इस कार्यक्रम में संविधान में दी गई सभी 22 भाषाओं का समावेश किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 22 भारतीय भाषाओं में सरल व सामान्य रूप से इस्तेमाल होने वाले छोटे-छोटे वाक्य तैयार किए गए हैं जिन्हें सभी विद्यार्थियों के साथ एक पुस्तिका के रूप में साझा किया जाएगा।

पुस्तिका की प्रस्तुति/ रूपरेखा इस प्रकार है -

- इस पुस्तिका में दिये गए वाक्य संवाद शैली में बने हैं। ये वाक्य विद्यार्थियों के लिए प्रासंगिक एवं दैनिक जीवन से संबद्ध विषयों पर आधारित है।
- इन वाक्यों की रूपरेखा कुछ इस प्रकार से की गई है: पहले मूल भाषा में फिर देवनागरी लिपि में फिर उसका हिंदी अनुवाद - रोमन लिपि में व अंग्रेजी में अनुवाद किया गया है।
- इन विषयों पर आधारित वाक्यों को सीखने-समझने और अभ्यास करने के लिए 20 कार्य दिवस प्रस्तावित किए गए हैं।
- प्रत्येक विषय और उसके अंतर्गत आने वाले वाक्यों के लिए दिनों का निर्धारण सुझाया गया है। यदि किन्हीं दिनों में वाक्यों की संख्या अधिक है तो उनके अभ्यास के लिए आवश्यकतानुसार दिनों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।
- औपचारिक रूप से इस पुस्तिका के इस्तेमाल के लगभग एक माह पहले उपयुक्त परिवेश बनाने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।
- अभीष्ट उद्देश्य की प्राप्ति के लिए इस प्रक्रिया को अभ्यास के द्वारा आगे के महीनों में भी दोहराया जा सकता है।
- इस परियोजना के दस्तावेजीकरण के लिए और विद्यालयों को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ सुझाव हैं, जैसे- विद्यालय विद्यार्थियों की प्रमुख गतिविधियों/दैनिक गतिविधियों के छायाचित्र और वीडियो तैयार कर 'अपलोड' करेंगे। राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेशों के विद्यालयी शिक्षा विभाग, डी.ई.ओ. और बी.ई.ओ. भी इन गतिविधियों की तस्वीरें और वीडियो राज्य स्तर, जिला स्तर या ब्लॉक/ संकुल स्तर पर 'अपलोड' कर सकते हैं। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के द्वारा 'अपलोड' की गई अथवा भेजी गई तस्वीरों और वीडियो के आधार पर सर्वश्रेष्ठ विद्यालय, सर्वश्रेष्ठ ब्लॉक, सर्वश्रेष्ठ जिला, सर्वश्रेष्ठ राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेश का चयन कर उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा।
- यदि कुछ विद्यार्थी अन्य भाषा बोलना और पढ़ना-लिखना जानते हैं तो उन्हें पढ़ने के लिए और दूसरों को पढ़ना-लिखना सिखाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसी प्रकार यदि कोई अध्यापक/ अध्यापिका, अभिभावक, सरकारी कर्मचारी या कोई अन्य उस भाषा को पढ़ सकते हों तो उन्हें उन वाक्यों को पढ़ने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।
- प्रस्तावित पुस्तिका और उससे संबंधित गतिविधियाँ अर्थपूर्ण और रोचक माहौल में आयोजित की जानी चाहिए ताकि बच्चे सीखी जाने वाली भाषा का इस्तेमाल रोजाना की आपसी बातचीत में करने की कोशिश करें। ऐसा करने में कुछ हँसी-मजाक का माहौल भी बन सकता है। शिक्षक भी बच्चों के साथ इस बातचीत में शामिल हों।

प्रस्तावित गतिविधियाँ

- यहाँ 12 विभिन्न विषयों पर लगभग 100 वाक्य दिए गए हैं। राज्य/विद्यालय किसी भी दूसरे राज्य की भाषा, बोलने और अभ्यास के लिए चुन सकते हैं। यह बातचीत प्रातःकालीन सभा में की जाएगी।
- विद्यार्थियों को इन वाक्यों पर पोस्टर तैयार कर उन्हें विद्यालयों में लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
- विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए अध्यापकगण उसी भाषा में बच्चों को संबोधित करेंगे और उनसे बातचीत करेंगे।
- विद्यार्थियों को इस बात के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा कि घर पर परिवार के सदस्यों के साथ इन वाक्यों को साझा करें।

- इस पहल/कार्यक्रम से संबंधित अन्य गतिविधियों का आयोजन विद्यालय अपने स्तर पर कर सकते हैं।
- इन भाषाओं के लोक-गीतों, प्रचलित गाने, खेल-गीत, कविताओं का इस्तेमाल इस भाषा के प्रति रुझान उत्पन्न करने के लिए किया जा सकता है।
- भूगोल, भाषा, इतिहास, पर्यावरण अध्ययन आदि विषय पढ़ाते समय ये संवाद/ वाक्य समुचित स्थान पर यथासम्भव उपयोग में लाए जा सकते हैं, क्योंकि ये संवाद/ वाक्य बच्चों के लिए प्रासंगिक विषयों पर आधारित हैं।

भाषा संगम एक ऐसा कार्यक्रम है जो विद्यार्थियों को देश के राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों और उनमें समाहित सांस्कृतिक, भाषिक विविधता को समझने का अवसर देगा। यह कार्यक्रम आपसी संवाद की एक पहल है।

आपके स्कूल में यह कार्यक्रम सुचारू रूप से चल सके उस के लिए आप कुछ तैयारी इस तरह से कर सकते हैं:

- विद्यालय प्रमुख स्कूल के सभी अध्यापकों के साथ इस कार्यक्रम से जुड़ी सामग्री को जरूर पढ़ें। पढ़कर उस पर चर्चा हो और कार्यक्रम के हर पहलू पर बातचीत हो। यह कार्यक्रम बहुभाषिकता की समझ पर टिका है इसलिए इस पर साझा समझ बनाना बेहद जरूरी है।
- अभिभावकों की साझेदारी इस कार्यक्रम में जरूरी है। शिक्षक अभिभावक संघ की मीटिंग के जरिये अभिभावकों को इस कार्यक्रम से परिचित करवाएं और उन्हें अपने विचार और सुझाव रखने को कहें।
- इस कार्यक्रम की सफलता के लिए जरूरी है कि स्कूल में सभी अपनी जिम्मेदारी जानते हों। कक्षा 4 से 8 तक पढ़ाने वाले शिक्षकों में से एक मुख्य समन्वयक की जिम्मेदारी ले लें और 2-3 शिक्षक सह-समन्वयक की भूमिका में मदद कर सकते हैं।

भाषा संगम के लिए तैयारी— कक्षा में माहौल बनाना

यह कार्यक्रम बच्चों के अनुभव क्षेत्र में एक ऐसी भाषा ले कर आ रहा है जो आमतौर पर आपके स्कूल के बच्चों ने कभी न सुनी हो, हो सकता है भाषा का नाम सुना हो पर भाषा सुनने का कभी मौका न मिला हो। यह भाषा अपरिचित तो लग ही सकती है, इस की ध्वनियाँ, वाक्यों का उतार-चढ़ाव, यह सब भी एक नयापन लिए सुनाई देंगे। बच्चों और खुद के कानों को इस भाषा की आवाजों और उच्चारणों की आदत डालनी होगी। इस के लिए आप महीने भर का समय लें और इस समय में भाषा को सुनने का मजा लें। इस मजे में भाषा से दोस्ती हो पाएगी।

सरल और सहज माहौल जिस में भाषा के कुछ खेल, गीतों, जनमानस में छाए लोक गीतों, बच्चों के लिए उपयुक्त फ़िल्मी गानों का भरपूर इस्तेमाल हो। पहेलियाँ और चुटकुले पीछे न रह जाएँ- खासकर वो जिनमें ध्वनियों, शब्दों का खेल हो। कुछ साधन-सामग्री तो आप तक पहुंच ही जाएगी पर इन्टरनेट का भी सहारा लें। सुनें, सुनाएं, गाएं, गुनगुनाएं, खेलें। आप के उत्साह और आप को आ रहे आनंद से बेहतर साधन-सामग्री असल में कुछ भी नहीं है। इस में आपको कक्षा में बहुत समय देने की जरूरत भी नहीं है। दिन में दो-दो बार 10-15 मिनट काफ़ी होंगे। बस आप की तैयारी पूरी रहे। ऐसा समय अच्छा हो सकता है जब बच्चे दिमागी कवायद से थक गए हों या फिर खाने से ठीक बाद के 10-15 मिनट या फिर घर जाने से पहले। यह पूरी कोशिश केवल कानों को नयी भाषा सुनने के लिए अभ्यस्त करने की है और उस में आनंद लेने की। इसे आप औपचारिकता से दूर रखें। इस महीने में बच्चों को किसी भी तरह से परखा न जाए।

- इस दौरान आप को कुछ ऐसे स्रोतों की जरूरत पड़ सकती है जिस से कक्षा में नयी भाषा सीखने का माहौल बन सके। नीचे कुछ ऐसे ही स्रोतों की सूची है जहाँ आपको विभिन्न भाषाओं में सामग्री मिल सकती है:

- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली
- राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
- जिलों के मंडल शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
- सांस्कृतिक संदर्भ एवं प्रशिक्षण केंद्र
- चिल्ड्रेन फिल्म सोसाइटी
- नेशनल बुक ट्रस्ट

सीखने की प्रक्रिया- बच्चों की प्रतिक्रियाएं

जब एक ऐसी भाषा बच्चों के कानों में पड़ेगी जो उन्होंने पहले नहीं सुनी तब बच्चों की प्रतिक्रियाएँ अलग-अलग तरह की होंगी। हो सकता है कुछ बच्चे शुरुआत में कोई दिलचस्पी न दिखाएं, हो सकता है कुछ को अटपटी लगी, कुछ को मजेदार लगे और कुछ इसका मजाक भी उड़ाएं। हमें सभी तरह की प्रतिक्रियाओं के लिए तैयार रहना होगा। हम जितने सम्मान, दिलचस्पी और उत्साह के साथ इस भाषा के साथ बच्चों का परिचय करवाएंगे बच्चों का रवैया भी भाषा के प्रति वैसा ही विकसित होगा।

रचनात्मक आकलन

आकलन के समय इस खयाल को जहन में रखना मददगार होगा कि कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को भाषा सिखा देना नहीं है। बीस दिन में यह संभव भी नहीं। सम्बंधित भाषा के ये वाक्य बच्चों को उस भाषा को सुनने का सन्दर्भ देते हैं। यह कार्यक्रम इन वाक्यों को यांत्रिक रूप से रटा देने का भी उद्देश्य नहीं रखता। **कार्यक्रम के दौरान अगर अपनी भाषा(ओं) से अलग भाषा(ओं) के प्रति हमारे रवैये में एक बदलाव आने लगे तो यह इस कार्यक्रम की सफलता का संकेत होगा।** बच्चों में ये समझ बन पाए कि देश (और संसार) में अनेक भाषाएँ हैं और ये भाषाएँ उतनी ही सक्षम और सुन्दर हैं जैसे की उनकी भाषा। भाषाओं के प्रति प्रेम और आदर इस समझ से ही पनप सकता है। हमारे आकलन के तरीके भी इस समझ को पहचानें – यह जरूरी है। आकलन का सन्दर्भ ऐसा ही हो जिसमें बच्चे भाषा के इस्तेमाल का आनंद ले सकें।

बीस दिन के केन्द्रित भाषा कार्यक्रम के दौरान बच्चों की प्रतिक्रियाओं, भागीदारी और उत्साह का आप अवलोकन करें। आप अपनी टिप्पणियों को एक नोटबुक में दर्ज करते रहें। अगर आपने महीना भर कक्षा में नयी भाषा के लिए माहौल बनाया है तो अवलोकन करना मुश्किल नहीं होगा। आकलन आप तीन स्तरों पर कर सकते हैं।

- कक्षा
- समूह या जोड़ों में

● हर बच्चे का

कार्यक्रम के सन्दर्भ में सुझाए गए इन वाक्यों के आधार पर बच्चों का आकलन सम्बंधित भाषा के अलग-अलग पहलुओं पर किया जा सकता है। वाक्यों को कई विषय-वस्तुओं में बाँधा गया है। इस तरह से हर विषय-वस्तु बातचीत का एक सुदृढ़ सन्दर्भ देती है। नीचे दिए हुए पांच प्रश्न भाषा के अलग-अलग पहलुओं पर केंद्रित हैं। **सम्बंधित भाषा की ध्वनियाँ, उसके शब्द, संदर्भ में शब्दों का अर्थ, कुछ मुख्य शब्दों को पहचान कर संदर्भ का अनुमान लगा पाना, संदर्भ में प्रश्न पूछ पाना। जैसे पहलू आकलन में शामिल हों।**

ध्यान दें कि यह आकलन किसी भी तरह से बच्चों की स्मरण शक्ति की जांच नहीं है। वैसे ही शुद्ध उच्चारण पर ज्यादा बल नहीं देना चाहिए क्योंकि किसी भी भाषा के उच्चारण में प्रांतीय प्रभाव स्वाभाविक है।

प्रश्न 1. क्या बच्चा सम्बंधित भाषा के वाक्यों को अन्य भाषाओं के वाक्यों से अलग सुन पाता है?

प्रश्न 2. क्या बच्चा (सुझाए गए इन वाक्यों में से) सुन कर विषय-वस्तु का अनुमान लगा पाता है?

प्रश्न 3. क्या बच्चा सुझाई गयी विषय-वस्तुओं पर केन्द्रित बातचीत के मुख्य शब्दों के अर्थ बता पाता है?

प्रश्न 4. क्या बच्चा सम्बंधित भाषा में पूछे गए प्रश्न का जवाब दे पाता है?

प्रश्न 5. सुझाई गयी विषय-वस्तुओं में से संदर्भ बताने पर क्या बच्चा सम्बंधित भाषा में प्रश्न पूछ पाता है?

ऊपर दिए गए प्रश्नों के जवाब पाने के लिए नीचे कुछ आकलन के तरीके सुझाए जा रहे हैं। आप इनको अपनी ज़रूरत और संदर्भ के हिसाब से बदल सकते हैं। आप उन बदलावों का या अपने बनाये तरीकों का विस्तृत विवरण ज़रूर रखें। तीन या चार भाषाओं के ऑडियो क्लिप बच्चों या बच्चे को सुनवाएं। सीखी जा रही भाषा के ऑडियो क्लिप को पहचानने के लिए कहें।

1. सम्बंधित भाषा में एक विषय-वस्तु पर बातचीत आप सुनाएं या दो बच्चों को रोले-प्ले करने के लिए कहें या फिर ऑडियो प्ले करें। बच्चों या बच्चे को बातचीत की विषय-वस्तु बताना है।
2. बातचीत की विषय-वस्तु बताने पर आप बच्चों या बच्चे से बातचीत में आए ऐसे शब्द और उनके अर्थ बताने के लिए कहें जिनके आधार पर उन्होंने विषय-वस्तु का अनुमान लगाया।
3. सुझाई गयी विषय-वस्तुओं में से किसी में से आप प्रश्न पूछें। बच्चे या बच्चा उस प्रश्न का उसी भाषा में जवाब दें।
4. आप एक सन्दर्भ का उल्लेख करें और बच्चों या बच्चे से पूछें की वे/वो सीखी जाने वाली भाषा में सन्दर्भ से जुड़ी बातचीत बताएं।

यह अच्छा होगा कि ये सभी गतिविधियाँ पहले पूरी कक्षा के साथ खेल-खेल में की जाएँ। बच्चों की अनुमान लगा पाने और अर्थ खोज पाने और समझने की क्षमता को सराहें। ये, दो कारणों से ज़रूरी है। भाषा की नींव अर्थ में है। दूसरा, रोजमर्रा की ज़िन्दगी में बहुभाषिकता में सटीकता पर जोर न हो कर एक-दूसरे को समझने की कोशिश होती है। कक्षा में भी हम समझने की कोशिश करें कि बच्चे क्या बताना चाह रहे हैं।

Ek Bharat Shreshtha Bharat Bhaashaa Sangam



We live in a country where language changes after a few kilometers. We appreciate, understand, listen to and speak more than one language. This is a beautiful aspect of our society and country. The students come to school with more than one language. There is a possibility that the language prevalent at the school may not be present in the child's social environment. This social reality must be recognised at school level.

Respecting the diversity and to keep all languages connected with one another, ***Bhaashaa Sangam*** under the programme, ***Ek Bharat, Shreshtha Bharat*** has been conceptualized. ***Bhaashaa Sangam*** reflects and realises the vision of the Indian Constitution on languages, linguistic and cultural diversity. This is a step towards creating an awareness and encouraging our students towards multilingualism. Consequently, students will not only become aware, but also understand socio-cultural behaviors of people using languages.

Objectives of Bhaashaa Sangam

- To familiarise students with the 22 Indian languages of the 8th schedule of the Indian Constitution.
- To foster linguistic harmony among students and promote national integration through learning of languages.
- To bring students closer to the unique cultural hues and diversity of our country through languages.

Implementation of Bhaashaa Sangam

In the first programme of *Bhaashaa Sangam*, students were exposed to and given opportunities to learn five sentences from the 22 scheduled languages. As a result, students developed curiosity to learn more about the languages and attempted to know more about the cultural, social as well as linguistic background of people who speak these languages. In this programme of *Bhaashaa Sangam*, students are being given bunches of about 100 sentences in the 22 languages. Appropriate environment needs to be created before introducing students to these sentences, so that these sentences can be learnt with ease and spontaneity. We believe that students will go beyond and become familiar with the languages.

- This programme will be operated and executed in all the states and union territories by the Education Department.
- All the 22 languages of the Indian Constitution are included in this programme. Short and simple sentences used in day-to-day life contexts have been prepared for this programme. These sentences are shared with schools, teachers and students in the form of audio, video with Indian Sign Language (ISL) and print booklet.

Presentation of the booklet

- The sentences given in this booklet are in dialogue form. These sentences are relevant and based on the subjects /topics from the daily lives of students.
- The sentences are presented in the following way: **i.** In the Indian language, **ii.** In Devanagari script, **iii.** In Hindi, **iv.** In Roman script and **v.** In English.
- 20 working days have been assigned to understand and practice the sentences in different topics for one language.
- Allocation of days has been suggested for every topic and the sentences under each topic. If sentences are more for a topic, number of days can be increased for practice as required.
- Process for preparation of a conducive environment should start one month prior to the formal introduction of the sentences.
- To achieve the desirable objectives, the same content can be practiced and repeated in the following months.
- For documentation of this project and motivation of the schools, there are some suggestions. For example, schools can upload pictures and videos of principal activities/ daily exercises of students. Education Departments, C.E.Os, D.E.O., B.E.Os in the States and Union Territories can also upload the pictures or videos of these activities at the Block / Centre /Zonal or State levels. Ministry of Education (MoE), School Education and Literacy Department, Government of India can select best school, best block, best district, best state / union territory on the basis of these pictures / videos and confer prizes to them.
- If a student knows the language of the neighbouring state (reading, writing, speaking), s/he should be encouraged to help other students learn the same. Similarly, if a teacher, parent any other government servant or any other person knows some other language they can be invited to read out the sentences for students.
- Proposed activities must be conducted in conducive and interesting environment, so that the students can use the language they are learning in their daily conversation. This can also create a fun atmosphere. Teachers should also participate in the conversations.

Proposed activities

There are about 100 sentences from different topics. **States / School systems can select a language of another state, practice and speak in the same language.**

- The dialogues / conversations will be practiced and done during the morning assembly and as and when students find time to do so.
- Students should be encouraged to prepare posters, infographics of depicting these sentences and display them on the notice boards or on walls in the schools.
- Teachers may address students in the same language to encourage them to use the language.
- Students would be encouraged to share these sentences with their family members and neighbours too.
- Activities related to this project can be organized at school level.
- To create further interest in the language, folk songs, popular songs, poems and game-songs can also be used.
- During the teaching of subjects like Languages, Geography, History and Science these sentences can be used at appropriate places in the right context as the sentences are relevant to the subjects and for students.

To conduct this programme efficiently in our schools we can prepare in the following ways

- The Head of School and all the teachers must read the content related to this programme. After reading the content, there should be a discussion about various aspects of the programme. This programme is to promote multilingualism, so a shared vision has to be developed.
- The participation of parents is essential for the success of the programme. Parents should be made aware of the programme through Parent Teacher Meetings (PTM). They should be encouraged to share their ideas and suggestions.
- For making this programme a success, it is important that everyone in the school must be aware of their responsibility. One of the teachers teaching classes 4th to 8th should take the responsibility as a coordinator and two or three teachers can take up the role of co-coordinators.

Preparation for multilingual class: Creating environment in the classroom

This programme will enable the students to experience a language that they might not have heard of in school. Probably, they may have heard the name of the language, but might not have any experience of listening to it. This language can not only be unfamiliar, but the

sounds, the voice modulations, all these can be very new to them. Students and teachers will have to familiarize themselves with the sounds and pronunciation of the language. We can spend an entire month on the same and enjoy listening to the new language. This engagement will result in friendship with the language.

Stress free, informal environment should be created with ample use of songs, games, popular folk songs and appropriate film songs. Riddles and jokes should not be left behind, especially those in which sounds and words are used in a playful manner. Materials will be made available to you but feel free to use resources from internet. Enjoy speaking, listening, playing, muttering and singing. No material is better than our enthusiasm and fun. We don't need to invest too much time in classroom for this. 10 to 15 minutes twice a day are enough. We should be well prepared. These 10 to 15 minutes can be scheduled whenever the students have time, after the lunch- break or in the last period. All efforts are only to make the ears habitual of listening to the new language and enjoy it. It has to be informal. No formal testing or evaluation should be done.

- During this period we may need some resources which will help us to create the right environment to learn a new language in the class. A list of such sources is enlisted here where we can find materials in different languages:
 - National Council of Educational Research and Training
 - State Council of Educational Research and Training
 - District Institutes for Education and Training
 - Centre for Cultural Resources and Training
 - Children Film Society
 - National Book Trust
 - Any other institution interested in Bhasha Sangam.

Process of learning: Children's responses

When children listen to a new language that they may not have heard earlier, they would respond differently. It is a possibility that at the earnest, some students may not show any interest in the language as they may find it strange, some may find it amusing and some others may even make fun of it. We should be prepared for all kinds of responses. The respect, interest and enthusiasm displayed by us, while introducing the new language to the students, will guide development of their attitude towards it.

Creative assessment

During assessment, it would be helpful to keep in mind that the objective of this programme is not to teach students the language; it is not possible in twenty days. Listening to these sentences of the reference language is attributed to listening of the language. Moreover, the objective of this programme is not rote memorization of these sentences. Rather, the change in our attitude towards a language that is different from the one that we are familiar with during the programme will be the signal of its success. The emergence of understanding among students that there are diverse languages in our country (and in the world) and are equally accomplished as well as beautiful as their own language will lead to love and respect for all languages. It is important that our assessment procedures should be able to recognize this understanding. The reference of assessment should be such that students are able to enjoy the usage of language.

During the programme for 20 days, we should observe the responses, participation and enthusiasm of students. Keep recording of your comments in a notebook. If we have been able to create a conducive environment for acquiring a new language during the initial month, then observation will not be a difficult task. We can do the assessment at three levels:

- As whole class group
- In small groups or pairs
- At individual student level

With reference to the programme, assessment on the basis of suggested sentences can be done on different aspects of the language. Sentences have been categorized in different topics. In this manner, every topic provides a novel context for communication. The five questions mentioned below, focus on various aspects of the language. Assessment can include words, meaning of words and sounds in context, identification of some prominent words and guessing their meaning in context, asking questions by referring to the context of the language. This assessment does not judge the memory power of the students in any way. Similarly, there should not be too much emphasis on correct pronunciation as regional variations in pronunciation of any language is obvious.

Question 1. Can students listen and differentiate between sentences of the reference language from other languages?

Question 2. Can students guess the context/ topic by listening to the suggested 100 sentences?

Question 3. Are the students able to come up with meanings of prominent words from the suggested topics in focused discussions?

Question 4. Can students answer the questions asked in the reference language?

Question 5. Can students ask a question from the suggested topics in the reference language, after becoming aware of the context?

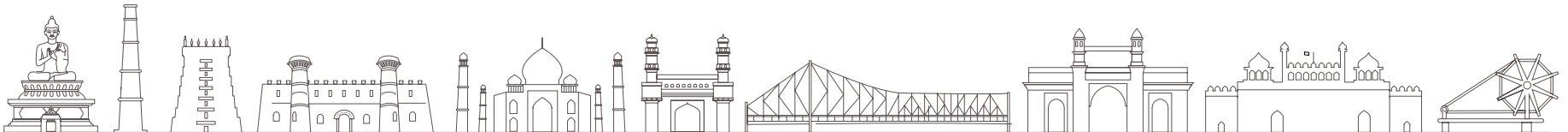
Some suggested methods for assessment of aforementioned questions are given below. You can change them according to the need

and the context. Keep a detailed record of the changes or self-created methods used for assessment.

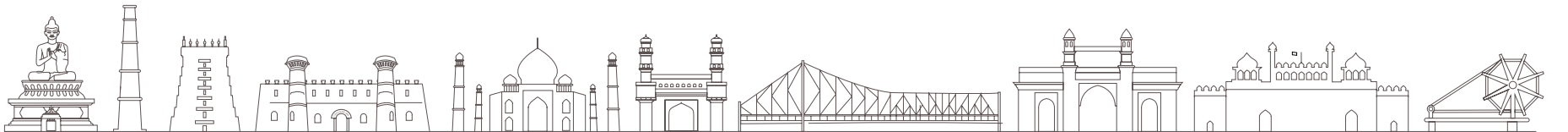
- Make students listen to 3 or 4 audio clips of different languages. Ask them to identify the audio clip of language they are learning.
- Let students listen to the conversation on a topic from the reference language or ask two students to perform a role play or play an audio clip. Students should be able to identify the subject or topic of the conversation.
- When students are able to identify the topic/ subject of conversation, ask them to reveal the words and their meanings that enabled them to guess the topic/ subject.
- Ask a question in the reference language from the suggested topics/ subjects. The students should be able to reply to the question in the same language.
- Give reference to a topic/ subject. Ask the students to carry on with the conversation in the same language.

It will be a good practice that all these activities are conducted in the classroom in play-way manner. Appreciate capacity for guessing, finding the meaning and understanding of the students. It is important for two reasons. The first is that the foundation of a language is inherent in finding the meaning of the utterances. The second is that everyday life does not focus on precision in multilingualism but on attempting to understand each other. Similarly, we should also try to understand what students want to convey.

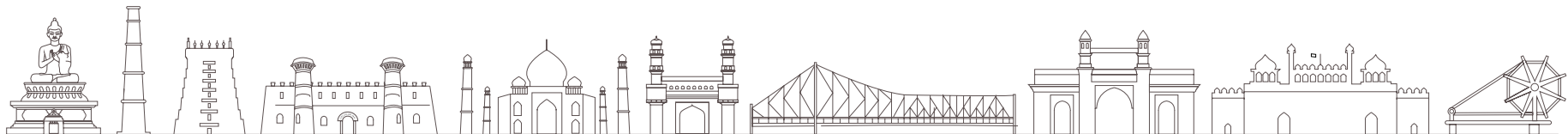
Konkani	Konkani Devanagri	Hindi	Konkani Roman	English
पयल्या दिसाची वळख	पयल्या दिसाची वळख	पहला दिन परिचय	paylya disachi valakh	First day Introduction/ Familiarization
तुजे नाव किते ?	तुजे नाव किते ?	आपका नाम क्या है?	tuje naav kite?	What is your name?
म्हजे नाव मुस्कान ।	म्हजे नाव मुस्कान ।	मेरा नाम मुस्कान है ।	mhaje naav muskaan.	My name is Muskan.
तू खयचे वर्गात शिकता ?	तू खयचे वर्गात शिकता ?	आप किस कक्षा में पढ़ती/ पढ़ते हैं?	tu khayche vargaat shiktaa?	Which class do you study in?
हाव आठवेन शिकता ।	हाव आठवेन शिकता ।	मैं कक्षा आठ में पढ़ती/पढ़ता हूँ।	haanv aathven shiktaa.	I study in Class VIII.
तुजे अवाय बापायचे नाव किते?	तुजे अवाय बापायचे नाव किते?	आपके माँ-पिता का क्या नाम है?	tuje avaaye baapayche naav kite?	What are your parents' names?
म्हजे आवयचे नाव कुसुम आणी बापायचे नाव प्रकाश।	म्हजे आवयचे नाव कुसुम आणी बापायचे नाव प्रकाश।	मेरी माँ का नाम कुसुम प्रकाश और पिता का नाम प्रकाश है।	mhaje aavayeche naav kusum aani baapaavche naav Prakash.	My mother's name is Kusum and my father's name is Mr. Prakash.



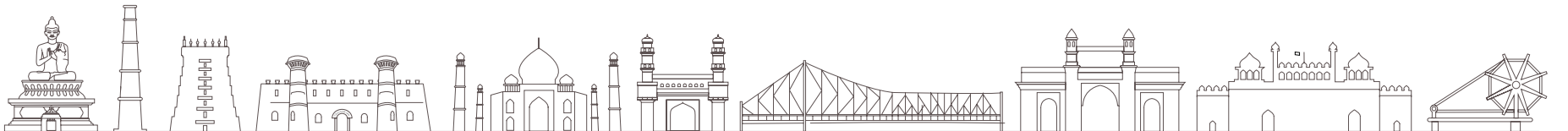
Konkani	Konkani Devanagri	Hindi	Konkani Roman	English
तुमी खय रावता ?	तुमी खय रावता ?	आप कहाँ रहती/रहते हैं?	tumi khaye raavtaa ?	Where do you live?
हाव गोयांत रावता ।	हाव गोयांत रावता ।	मैं गोवा में रहती/ रहता हूँ।	haanv goyant raavtaa.	I live in Goa.
दूसरो आणी तीसरो दिस म्हजी शाळा	दूसरो आणी तीसरो दिस म्हजी शाळा	दूसरा और तीसरा दिन मेरा विद्यालय	Doosre aani teesro dis mhaji shaalaa	Second & third day My School
तुज्या शालेचे नाव किते ?	तुज्या शालेचे नाव किते ?	आपके स्कूल का क्या नाम है?	tujyaa shaaleche naav kite?	What is the name of your school?
मज्या शालेचे नाव राजकीय बाल विद्यालय ।	मज्या शालेचे नाव राजकीय बाल विद्यालय ।	मेरे स्कूल का नाम राजकीय बाल विद्यालय है।	majyaa shaaleche naav raajkiye baal vidhyaalay.	The name of my school is Rajkiya Bal Vidhyalaya.
तुमच्या वर्गात तुमचो सर तुमका खंयचे विषय शिकयता ?	तुमच्या वर्गात तुमचो सर तुमका खंयचे विषय शिकयता?	आपके कक्षा अध्यापक कौन- सा विषय पढ़ाते हैं?	tumchyaa vargaat tumcho sir tumkaa khanyche Vishay shikaytaa?	What subject does your class teacher teach?
म्हज्या वर्गात आमचो सर हिन्दी विषय शिकयता ।	म्हज्या वर्गात आमचो सर हिन्दी विषय शिकयता ।	मेरे कक्षा अध्यापक हिंदी भाषा पढ़ाते हैं।	mahjya vargaat aamcho sir hindi Vishay shikaytaa.	Our class teacher teaches hindi language.



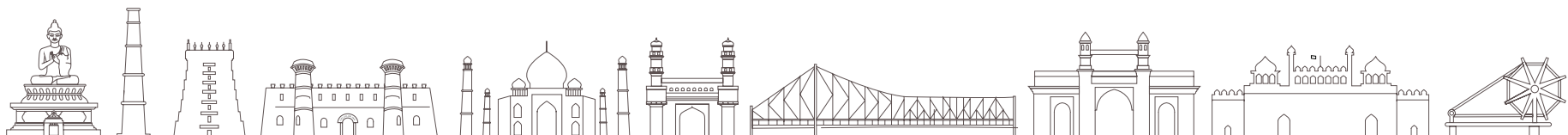
Konkani	Konkani Devanagri	Hindi	Konkani Roman	English
तुजी खयच्या विषयान्त चड आवड, रुचि आसा ?	तुजी खयच्या विषयान्त चड आवड, रुचि आसा ?	आपकी किस विषय में अधिक रुचि है?	tuji khaychyaa vishayaant chad aawad roochi aasaa?	Which subject interests you the most?
म्हाका भास शिकपाक आवडटा ।	म्हाका भास शिकपाक आवडटा	मुझे भाषा पढ़ना अच्छा लगता है।	mahakaa bhaas shikpaak aavdtaa.	I like learning languages.
तुमका भाषा शिकपाक कित्याक आवडता ?	तुमका भाषा शिकपाक कित्याक आवडता ?	आपको भाषा पढ़ना क्यों अच्छा लगता है?	tumka bhasha shikpaak kityaak aavdtaa ?	Why do you like learning languages?
तातुन कविता, काणी आणी नाटका आसता ।	तातुन कविता, काणी आणी नाटका आसता ।	इसमें कविताएँ होती हैं, इसमें कहानियाँ होती हैं, इसमें नाटक होते हैं।	taatun kavita, kaani, aani nataka aasata.	They here poetries, stories and dramas.
हय नाटक आमी ही करूक शकतात	हय नाटक आमी ही करूक शकतात ।	हाँ-हाँ, नाटक तो हम खेल भी सकते हैं।	haye naatak aami hi karuk shaktaat.	Yes, we can play dramas.
तू खयंची-खयंची भास उलोपाक शकता ?	तू खयंची-खयंची भास उलोपाक शकता ?	आप कौन-कौन सी भाषाएँ बोल सकते हैं?	tu khaynchi - khaynchi bhaas ulopaak Shakta?	Which languages can you speak?



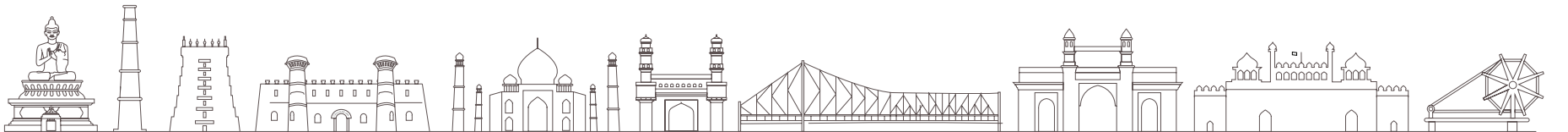
Konkani	Konkani Devanagri	Hindi	Konkani Roman	English
हाव इंग्लिश, हिन्दी, कोंकणी आणी मराठी उलोव शकता ।	हाव इंग्लिश, हिन्दी, कोंकणी आणी मराठी उलोव शकता ।	मैं अंग्रेजी, हिंदी, कोंकणी और मराठी बोल सकता हूँ।	haanv English, hindi, Konkani aani Maraathi ulov Shaktaa.	I can speak English,Hindi, konkani and Marathi.
चौथों दिस म्हजे आवय बापूय	चौथों दिस म्हजे आवय बापूय	चौथा दिन मेरे माता-पिता	Chauthon dis Mhaje aavye baapuye	Fourth day My Parents
तुमचे घरान जेवण कोण रानता?	तुमचे घरान जेवण कोण रानता?	आपके घर में खाना कौन बनाता है?	tumche gharaan jewan kon raantaa ?	Who cooks food in your house?
म्हज्या घरान आवय आणी बापूय दोगाय जाणा जेवण रानता ।	म्हज्या घरान आवय आणी बापूय दोगाय जाणा जेवण रानता ।	हमारे घर में माँ और पिताजी दोनों खाना बनाते हैं।	mahjyaa gharaan aavya aani baapooye dogaaaye jaanaa jevan raantaa.	Both my father and mother cook food in our house.
तुका शाळेंत कोण पावयता?	तुका शाळेंत कोण पावयता ?	आपको स्कूल कौन पहुँचाता है?	tukaa shaalent kon paavayataa?	Who drops you at school?
म्हाका शाळेंत पावोवपाक केन्ना-केन्ना बापूय येता ।	म्हाका शाळेंत पावोवपाक केन्ना-केन्ना बापूय येता	मुझे स्कूल छोड़ने कभी माँ कभी पिताजी आते हैं।	Mahakaa shaalent paavovapaak kenna kenna baapuy yetaa.	Sometimes my father and sometimes my mother drops me at school.



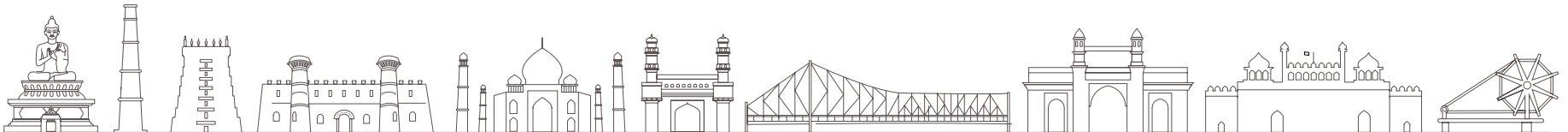
Konkani	Konkani Devanagri	Hindi	Konkani Roman	English
पेरेंट टीचर मीटिंगेंक कोण येता?	पेरेंट टीचर मीटिंगेंक कोण येता?	अभिभावक-शिक्षक (पैरेंट-टीचर) मीटिंग में कौन आता है?	parents teacher meetingek kon yetaa?	Who comes to attend parent-teacher meeting?
केन्ना-केन्ना आवय येता केन्ना बापुय येता ।	केन्ना-केन्ना आवय येता केन्ना बापुय येता ।	पी. टी . एम. में कभी माँ और कभी पिताजी आते हैं।	kenna kenna aavay yeta kenna baapuy yetaa.	Sometimes my father and sometimes my mother come to the P.T.M.
पाचवों दिस जेवण-खाण	पाचवों दिस जेवण-खाण	पाचवाँ दिन खान-पान	Paanchvon dis Jewan-khaan	Fifth day Food
तुका खावपाक किते आवडता ?	तुका खावपाक किते आवडता	आपको खाने में क्या पसंद है?	tuka khavpaak kite aavdtaa ?	What do you like to eat mostly?
म्हाका वड़ा पाव आवडता ।	म्हाका वड़ा पाव आवडता ।	मुझे वड़ा पाव पसंद है।	mahakaa vadaa paav aavdtaa.	I like to eat Vada Pav.
तुमच्या गावात चडशी कसली फळा मेळटा ?	तुमच्या गावात चडशी कसली फळा मेळटा ?	आपके इलाके में कौन सा फल ज्यादा मिलता है?	tumchya gaavaant chadshee kasli phalaa meltaa ?	Which fruit is plentifully available in your area?



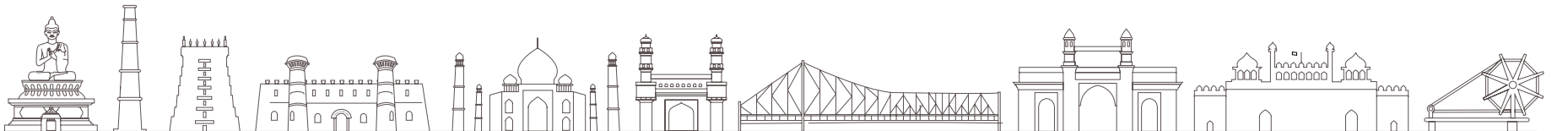
Konkani	Konkani Devanagri	Hindi	Konkani Roman	English
आमच्या गावांत पेरा, पपायो, मेळटा पूण म्हाका केळी चड आवडटा।	आमच्या गावांत पेरा, पपायो, मेळटा पूण म्हाका केळी चड आवडटा।	हमारे यहाँ अमरूद, पपीता ज़्यादा मिलता है लेकिन मुझे केला पसंद है।	aamchyaa gaavaant pera, papaaya, meltaa poon mahakaa keli chad aavdtaa.	Guava and Papaya are available in my area, but I like Banana the most.
सवो दिस आरोग्य	सवो दिस आरोग्य	छठा दिन सेहत	Savo dis Arogya	Sixth day Health
तुमी सकाळी कितल्यांक उठ्ठा?	तुमी सकाळी कितल्यांक उठ्ठा?	आप सुबह कब जागते हैं?	tumi sakaali kitalyaank uthtaa?	What time do you wake up in the morning?
हाव सकाळी संक उठ्ठा।	हाव सकाळी संक उठ्ठा।	मैं सुबह छः बजे उठती/उठता हूँ।	haanv sakaalcho sank uthtaa.	I wake up at six O'clock in the morning.
तु सदाच व्यायाम करता?	तु सदाच व्यायाम करता ?	क्या आप प्रतिदिन कसरत करते हैं?	tu sadaach vyayaam karta?	Do you do exercise every day?
हय हाव योगा करता।	हय हाव योगा करता।	हाँ! मैं योग करती/करता हूँ।	haye haanv yogaa karta.	Yes, I practice yoga.
तुमच्या स्कोलान कोण योगा शिकोवपी टीचर आसा ?	तुमच्या स्कोलान कोण योगा शिकोवपी टीचर आसा ?	आपके स्कूल में कोई योग शिक्षक/शिक्षिका हैं?	tumchyaa skolaan kon yoga shikovapi teacher aasaa?	Is there a yoga teacher in your school?



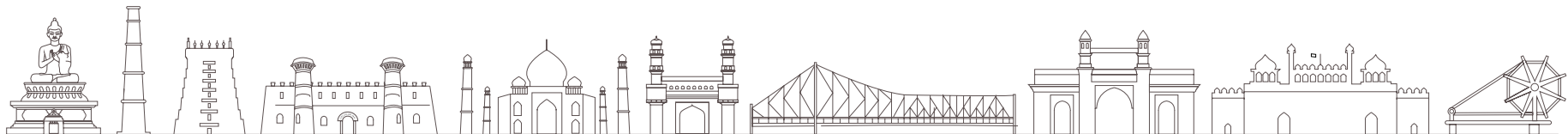
Konkani	Konkani Devanagri	Hindi	Konkani Roman	English
म्हज्या योगा शालेंत शिकोवपी एक टीचर आसा ।	म्हज्या योगा शालेंत शिकोवपी टीचर आसा ।	हाँ, हमारे स्कूल में योग शिक्षक हैं।	Mahajya aamchya shaalent shikovapi ek teacher aasaa.	Yes, we have a yoga teacher in our school.
ते म्हाका योगा आणी दूसरे व्यायाम शिकयता ।	ते म्हाका योगा आणी दूसरे व्यायाम शिकयता ।	वे हमें योग और दूसरे व्यायाम सिखाती/सिखाते हैं।	te mahaakaa yoga aani doosre vyayaam shikyata	She/ He teaches us yoga and other exercises.
सतवो दिस खेळामक	सतवो दिस खेळामक	सातवाँ दिन खेल-कूद	Satvo dis Khelamak	Seventh day Games and Sports
तुका खेळपाक आवडता?	तुका खेळपाक आवडता ?	आपको खेलना पसंद है?	tukaa khelpaak aavadtaa?	Do you like to play?
हय म्हाका फूटबाल खेळपाक आवडटा	हय म्हाका फूटबाल खेळपाक आवडटा ।	हाँ, मुझे फुटबॉल खेलना पसंद है।	hay mahaakaa footbaal khelpaak aavadataa.	Yes. I like to play football.
म्हाका इंडोर गेम्स आवडता आणी तुका ?	म्हाका इंडोर गेम्स आवडता आणी तुका ?	मुझे इनडोर गेम पसंद है और आपको?	mahakaa indoor games aavdtaa aani tukaa ?	I like indoor games. What about you?
हांव टेबल टेनिसूय खेलटा ।	हांव टेबल टेनिसूय खेलटा	मुझे भी मैं टेबल-टेनिस खेलती/ खेलता हूँ।	haanv table tennisuya kheltaa.	Me too! I play table tennis.



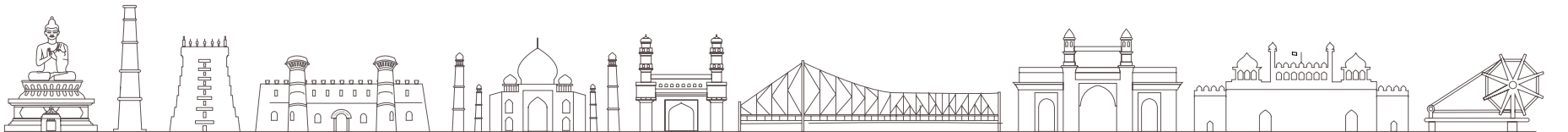
Konkani	Konkani Devanagri	Hindi	Konkani Roman	English
तुम विडियो गेम खेळटा ?	तुम विडियो गेम खेळटा ?	आप वीडियो गेम खेलते हैं?	tum video game kheltaa?	Do you play video games?
ना म्हाका विडियो गेम खेळपाक आवडना म्हाका भायर कबड्डी खेळपाक आवडटा ।	ना म्हाका विडियो गेम खेळपाक आवडना म्हाका भायर कबड्डी खेळपाक आवडटा ।	नहीं, मुझे वीडियो गेम पसंद नहीं है। मुझे बाहर खेलना पसंद है जैसे कबड्डी।	naa mahakaa video game khelpaak aavdanaa mahakaa bhaayar kabaddi khelpaak aavadtaa.	No, I don't like video games. I like to play outdoor games, like Kabaddi.
आठवो, णवो आणी धावो दिस सरभोवतणी	आठवो, णवो आणी धावो दिस सरभोवतणी	आठवाँ, नौवाँ और दसवाँ दिन हमारे आस-पास	Aanthvon, navo, aani dhaavo dis sarbhovatasi	Eighth, Ninth and Tenth day Our Surroundings
तुमच्या गावांत खंयची न्हय व्हावता ?	तुमच्या गावांत खंयची न्हय व्हावता ?	आपके इलाके में कौन-सी नदी बहती है?	tumchyaa gaavaant khaynchi nhay vhaavtaa?	Which river flows in your area?
म्हज्या जुवारी न्हव व्हावता गावात।	म्हज्या जुवारी न्हव व्हावता गावात।	मेरे इलाके में ज्वारी नदी बहती है।	mahjyaa juwari nhay vhaavtaa gaavaat.	River juari flows through our village.



Konkani	Konkani Devanagri	Hindi	Konkani Roman	English
ताज्या देगेर खूब तरेच्यो बागा आसा ।	ताज्या देगेर खूब तरेच्यो बागा आसा ।	उसके किनारे बहुत सारे बगीचे हैं।	tajyaa deger khoob tarechyo baaga aasaa?	There are many gardens on the banks of it.
आमी सगळी थय भोवपाक वता ।	आमी सगळी थय भोवपाक वता।	हम सब वहाँ घूमने जाते हैं।	aami saglee thay bhovpaak vtaa.	We go there for a stroll.
तुमी खय भोवपाक वता ?	तुमी खय भोवपाक वता ?	आप कहाँ घूमने जाते हैं?	tumi khay bhovpaak vtaa?	Where do you go for a stroll?
आमी पार्कान भोवपाक वयता।	आमी पार्कान भोवपाक वयता।	हम पार्क में घूमने जाते हैं।	aami paakaarn bhovpaak vaytaa.	We go to the park for a stroll.
म्हज्या गावांत भायार एक दोंगोर आसा ।	म्हज्या गावांत भायार एक दोंगोर आसा ।	हमारे शहर के बाहर एक पहाड़ है।	Mahajyaa gaavaant bhaayaar ek dongaur aasaa.	There is a mountain outside our city.
थय भोवपाक बरो जागो आसा।	थय भोवपाक बरो जागो आसा ।	यह घूमने की बहुत अच्छी जगह है।	thay bhovpaak baro jaago aasa.	This is a nice place to move around.
तुमच्या गावांत शेता आसा ?	तुमच्या गावांत शेता आसा?	आपके इलाके में खेत हैं?	tumchyaa gaavaant shetaa aasaa?	Are there fields in your area?



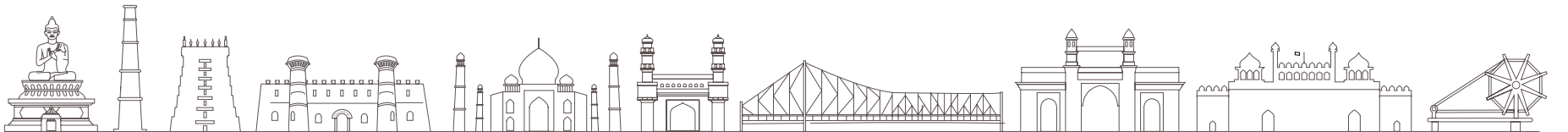
Konkani	Konkani Devanagri	Hindi	Konkani Roman	English
हय म्हज्या गावानी खुबशी शेता आसा ।	हय म्हज्या गावानी खुबशी शेता आसा ।	हाँ, हमारे इलाके में बहुत खेत हैं।	haye mahajyaa gaavaani khoobshi shetaa aasaa.	Yes, there are many fields in our area.
थय सुंदर राग आसा ।	थय सुंदर राग आसा ।	वहाँ जंगल भी है।	thay sundar raag aasaa.	There is also a jungle there.
त्या रानांन एक झरो आसा ।	त्या रानांन एक झरो आसा ।	उस जंगल में एक झरना है।	tya raaraanan ek jharo aasaa.	There is a stream in the jungle.
तुमी झरो पोयला ?	तुमी झरो पोयला ?	आपने झरना देखा है?	tumi jharo poylaa?	Have you seen a stream?
ना म्हाका पळोवपाक जाय ।	ना म्हाका पळोवपाक जाय ।	नहीं, मैं देखना चाहूँगा।	naa mahakaa palovpaak jay.	No, but I would like to see one.
म्हज्या गावांत यो हा हाव तुका झरो दाखयता ।	म्हज्या गावांत यो हा हाव तुका झरो दाखयता ।	हमारे गाँव आना, मैं आपको झरना दिखाऊँगी/ दिखाऊँगा।	mahajhyaa gaavaant yo haa haav tukaa jharo dhaakhytaa.	Come to our village, I will show you a stream.



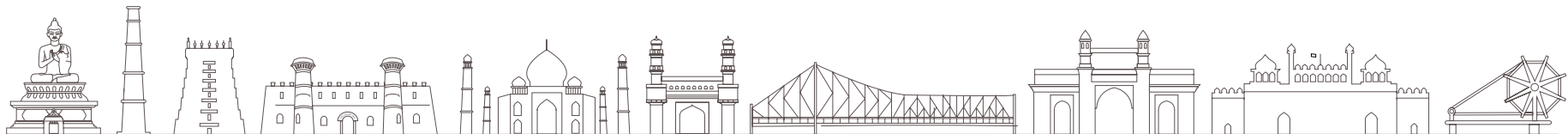
Konkani	Konkani Devanagri	Hindi	Konkani Roman	English
अकरवों दिस हवामान	अकरवों दिस हवामान	ग्यारहवाँ दिन मौसम	Akarvon dis Hawaaman	Eleventh day Weather
आयज खुब गर्मी जाता पावस पड़पाक जाय आसलो।	आयज खुब गर्मी जाता पावस पड़पाक जाय आसलो ।	उफ़! आज बहुत गर्मी हो रही है। अब बारिश होनी चाहिए ।	aayaz khoob garmi jaataa paavas padpaak jaay aaslo.	Oh! It's too hot today. I wish it rains now.
तुमच्या क्षेत्रान वातावरण कशे आसाता ?	तुमच्या क्षेत्रान वातावरण कशे आसाता?	आपके क्षेत्र में मौसम कैसा है?	tumchya kshetraan mausam vaatavarana kashe aasaa?	How is the weather (like) in your area?
हांगा सल्ले वातावरण सामान्य आसता केन्ना-केन्ना गरमीय आसता।	हांगा सल्ले वातावरण सामान्य आसता केन्ना-केन्ना गरमीय आसता ।	यहाँ का मौसम ज्यादातर सामान्य या गरम रहता है।	haanga salle vaatavarana saamaanya aasata kenna kenna garmiye aasata.	The weather here is moderate or hot generally.
तुमी केन्ना वाळवंट पयला?	तुमी केन्ना वाळवंट पयला ?	क्या आपने रेगिस्तान देखा है?	tumi kenna vhaalvant paylaa?	Have you seen a desert?
ना हावे वाळवंट पोंवुक ना ।	ना हावे वाळवंट पोंवुक ना ।	नहीं, मैंने रेगिस्तान नहीं देखा।	naa haave vhaalvant ponvuk naa.	No, I have not seen a desert.



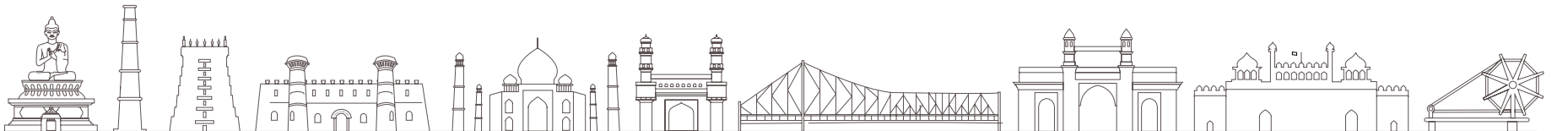
Konkani	Konkani Devanagri	Hindi	Konkani Roman	English
थय खुब गरम आसता ।	थय खुब गरम आसता ।	वहाँ तो बहुत गर्मी होती है।	thay khoob garam aastaa.	It's very hot there.
हय पूण रातची थय रेव थंड आसता।	हय पूण रातची थय रेव थंड आसता।	हाँ, लेकिन रात में रेत ठंडा हो जाता है।	hay purna raatchi thay rev thand aasataa.	Yes, but the sand becomes cold at night.
हावू पलोवपाक सोदता ।	हावू पलोवपाक सोदता ।	मैं भी रगिस्तान देखना चाहती/चाहता हूँ।	haavoo paloovpaak sodtaa.	I would like to see the desert.
फाटल्या गर्मीच्या दिसानी हाव म्हज्या घरातल्या बरोबर दोंगरार भोवपाक गेल्ले ।	फाटल्या गर्मीच्या दिसानी हाव म्हज्या घरातल्या बरोबर दोंगरार भोवपाक गेल्ले ।	मैं पिछली गर्मी की छुट्टियों में अपने परिवार के साथ पहाड़ों पर घूमने गयी/गया थी/था।	phaatlyaa garmichya disaani haav mahajyaa gharaatlyaa barobar daugraar bhovpaak gaille.	Last summer holidays I had visited mountains with my family.
थय थंडेचे दिसानी भरपूर बर्फ पडटा ।	थय थंडेचे दिसानी भरपूर बर्फ पडटा ।	वहाँ सर्दियों में बहुत बर्फ गिरती है।	thay thandechे disaani bharpoor barph padtaa.	It snows a lot during winter.



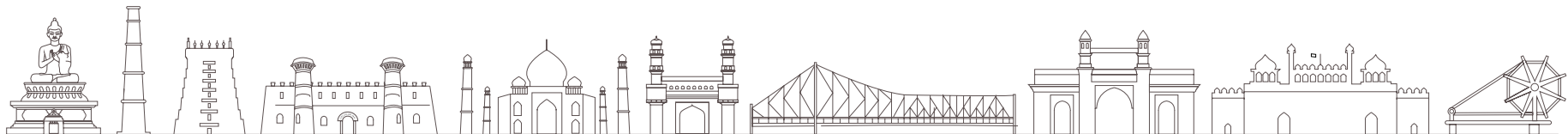
Konkani	Konkani Devanagri	Hindi	Konkani Roman	English
बारावो, तेरावो, चौदावो आणी पंदरावो दिस सण आणी परब	बारावो, तेरावो, चौदावो आणी पंदरावो दिस सण आणी परब	बारहवाँ, तेरहवाँ, चौदहवाँ और पंद्रहवाँ दिन उत्सव-त्योहार	Baaraavo, teraavo, chaudhavo aani pandravo dis San aani parab	Twelfth, Thirteenth, Fourteenth and Fifteenth day Festivals
तुका खयचो सण आवडटा ?	तुका खयचो सण आवडटा ?	आपका पसंदीदा त्योहार कौन सा है?	tuka khayacho san aavadataa?	What is your favorite festival?
म्हजो आवडटो सण दिवाली।	म्हजो आवडटो सण दिवाली ।	मेरा पसंदीदा त्योहार दिवाली है।	mahjo aavadto san Diwali.	My favorite festival is Diwali.
दिवाळी सण माका खुब आवडटा ।	दिवाळी सण माका खुब आवडटा	दिवाली मुझे भी बहुत पसंद है।	diwali san maakaa khoob aavadtaa.	I also like Diwali very much.
पूण माका होळी चड आवडटा।	पूण माका होळी चड आवडटा।	लेकिन मुझे होली ज़्यादा पसंद है।	poon maakaa holi chad aavadtaa.	But I like Holi the most.
होळीचे सणान आमी खुब रंगतात ।	होळीचे सणान आमी खुब रंगतात।	होली में हम खूब रंग खेलते हैं।	holiche sanaan aami khoob rangtaat.	We play a lot with colors in Holi.



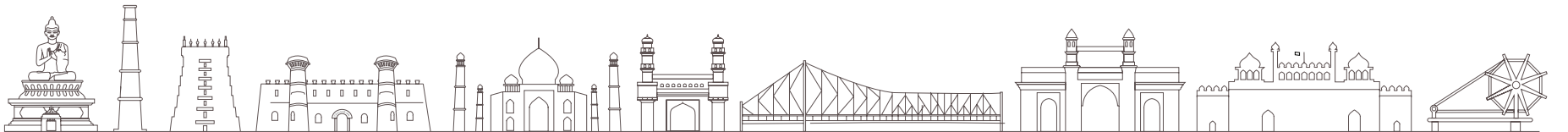
Konkani	Konkani Devanagri	Hindi	Konkani Roman	English
सणाच्या दिसानी आमी खुब गोड पदार्थ खातात ।	सणाच्या दिसानी आमी खुब गोड पदार्थ खातात ।	त्योहारों में हम खूब मिठाइयाँ खाते हैं।	sanaachaye disaani aami khoob god padaarth khaataat.	We eat a lot of sweets during festivals.
जशे, शेवयो इदाचो खास पदार्थ आसता तसो ।	जशे, शेवयो इदाचो खास पदार्थ आसता तसो ।	जैसे सेवइयाँ ईद का खास पकवान है।	Jashe, shevyo idaacho khas padarth aasata taso.	Like, sevaiyan is a special dish of 'Eid.
सणा दिसानी म्हाका जात्राती भोवपाक खुब आवडटा ।	सणा दिसानी म्हाका जात्राती भोवपाक खुब आवडटा ।	त्योहारों के समय मेले में घूमना भी बहुत अच्छा लगता है।	sanaa disaani mahakaa jaatraati bhovpaak khoob aavdtaa.	I like to roam around in fairs during festivals.
हय, म्हाकाय भोवपाक खूब आवडटा ।	हय, म्हाकाय भोवपाक खूब आवडटा।	हाँ, मुझे भी घूमना पसंद है।	Hay, mahakaaye bhovpaak khub aavdtaa.	Yes, I also like to move around.
तुमच्या स्कूलान स्वतंत्रताय दिस कसो मनयता ?	तुमच्या स्कूलान स्वतंत्रताय दिस कसो मनयता ?	आपके स्कूल में स्वतंत्रता दिवस कैसे मनाया जाता है?	tumchyaa skulaan swatantrataye dis kaso manytaa.	How is Independence Day celebrated in your school?



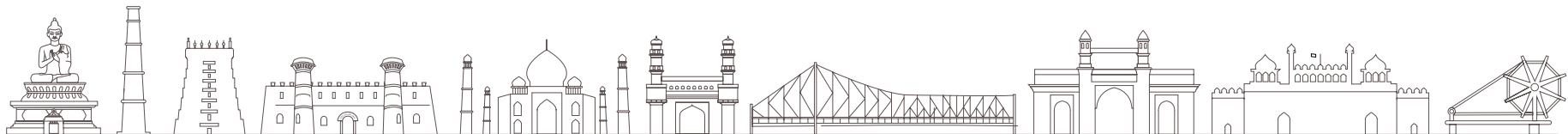
Konkani	Konkani Devanagri	Hindi	Konkani Roman	English
आमी झेंडो उबारता, राष्ट्रगीत म्हणता आणी लाडू खाता ।	आमी झेंडो उबारता, राष्ट्रगीत म्हणता आणी लाडू खाता ।	हम झंडा फहराते हैं, राष्ट्रगान गाते हैं, लड्डू भी खाते हैं।	aami jhendo ubaartaa, rashtrageet mahantaa aani laadu khaataa.	We hoist flag, sing the national anthem, and eat laddoos too.
असोच आमी गणतन्त्र दिस सुदा मन्येता ।	असोच आमी गणतन्त्र दिस सुदा मन्येता ।	ऐसे ही गणतंत्र दिवस भी मनाते हैं।	asoch aami gantantra dis suddaa manyetaa.	Republic Day is also celebrated in the same manner.
दोन ओक्टोबर आमी स्वच्छता दिस म्हणून मनराता।	दोन ओक्टोबर आमी स्वच्छतादिस म्हणून मनराता।	2 अक्तूबर को गाँधी जयंती पर हम स्वच्छता दिवस मनाते हैं।	don October aami swachhtadis mhanoon manraataa.	We observe Swachhta Divas on the birth anniversary of Mahatma Gandhi on 2 nd October.
स्कूलान मातृभाषा दिस म्हणून साजरो करता जो दर वर्सा येता एवविस फेब्रुवरीक	स्कूलान मातृभाषा दिस म्हणून साजरो करता जो दर वर्सा येता एवविस फेब्रुवरीक।	स्कूल में मातृभाषा दिवस भी मनाया जाता है जो हर वर्ष 21 फरवरी को होता है।	skulaan maatribhaashaa dis mhanun saajro kartaa jo dar varsa yeta aevavis Februvarik.	Mother Tongue Day is also celebrated in our school on 21 st February every year.



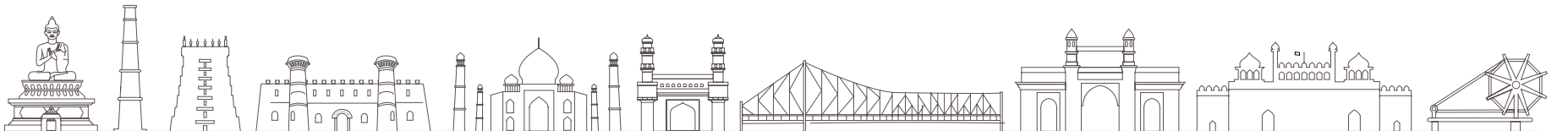
Konkani	Konkani Devanagri	Hindi	Konkani Roman	English
सोळावों, आणी सत्रावो दिस नाती	सोळावों, आणी सत्रावो दिस नाती	सोलहवाँ और सत्रहवाँ दिन रिश्ते-नाते	Solaavon aani satraaon dis naati	Sixteenth & Seventeenth day Relations
तुमच्या घरान कोण कोण रावता ?	तुमच्या घरान कोण कोण रावता ?	आपके घर में कौन-कौन रहते हैं?	tumchyaa gharaan kon kon raavtaa ?	Who all are there at your home?
म्हज्या घरान मम्मी, पपा, आजो, आजी, काका-काकी, आणी म्हजी एक भयण आसा।	म्हज्या घरान मम्मी, पपा, आजो, आजी, काका-काकी, आणी म्हजी एक भयण आसा।	मेरे घर में माँ-पिताजी, दादा-दादीजी, चाचा-चाची और मेरी एक बहन है।	mahajyaa gharaan mammi, papa, aajo, aaji, kaakaa-kaakee aani mahaji ek bhayan aasaa.	My mother-father, grandmother grandfather, uncle-aunt and my sister are there in my home.
म्हाका सांगक तुमी केन्ना तुमच्या मामागेर गेल्या ?	म्हाका सांगा तुमी केन्ना तुमच्या मामागेर गेल्या ?	अच्छा तो क्या आप कभी अपने मामा के घर जाते हो?	mahakaa sangaa tumi kenna tumchyaa maamaager gelyaa ?	Good, Do you like to visit your maternal uncle's house?
हय हाव सुटयेचे दिसान मामागेर वयता थय माका खुब बरे दिसता ।	हय हाव सुटयेचे दिसान मामागेर वयता थय माका खुब बरे दिसता ।	हाँ! मैं छुट्टी के दिनों में मामा के घर जाती/जाता हूँ वहाँ बहुत अच्छा लगता है।	hay haav suteyeche disaan maamaager vaytaa thay maakaa khoob bare distaa.	Yes, I visit my maternal uncle's house during holidays. I feel good there.



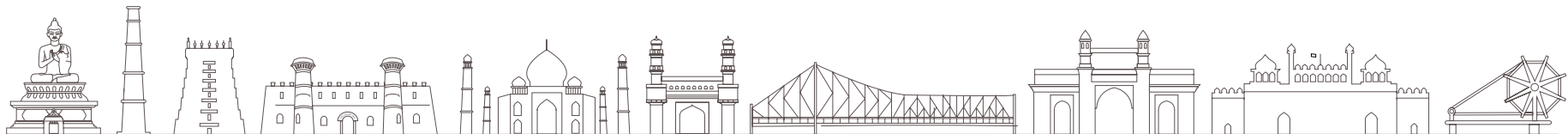
Konkani	Konkani Devanagri	Hindi	Konkani Roman	English
थय म्हजी मामा-मामी, मावशी, आजो-आजी रावता ।	थय म्हजी मामा-मामी, मावशी, आजो-आजी रावता ।	वहाँ मेरे मामा-मामी, मौसी और नाना-नानी रहते हैं।	thay mahaji maamaa- maami, maavshi, aajo- aaji raavtaa.	My maternal uncle- aunt, mother's sister, and grandparents live there.
म्हजी म्हाका खुब काणयो सांगता आणी खावपाकुय दिता ।	म्हजी म्हजी म्हाका खुब काणयो सांगता आणी खावपाकुय दिता ।	हमारी नानी हमें बहुत कहानियाँ सुनाती हैं।	mahaji mahaka khoob kadayo saangtaa aani khaavpaakuy ditaa.	Our grandmother tells us a lot of stories.
तू सांग रे, तू तुज्या मामागेर वयता?	तू सांग रे, तू तुज्या मामागेर वयता?	क्या तुम भी अपने मामा के घर जाते हो?	tu sang re, tu tujya maamaager vaytaa?	Do you also visit your maternal uncle's house?
हय म्हज्या मामागेर आनी आत्यागेर दोगायगेरूय वयता ।	हाव माज्या मामागेर आनी आत्यागेर दोगायगेरूय वयता ।	हाँ, मैं तो अपने मामा और बुआ दोनों के घर जाती/जाता हूँ।	haye mahajyaa mamager aani aatyager dogaayerugey vaytaa.	Yes, I go to my maternal uncle and paternal aunt's house?
म्हज्या आत्यागेर एक कुत्रो आणी एक माजर आसा ।	म्हज्या आत्यागेर एक कुत्रो आणी एक माजर आसा ।	मेरी बुआ के घर में एक कुत्ता और एक बिल्ली भी है।	mahajya aatyager ek kutro aani ek maajar aasaa.	My aunt has a dog and a cat in her house.



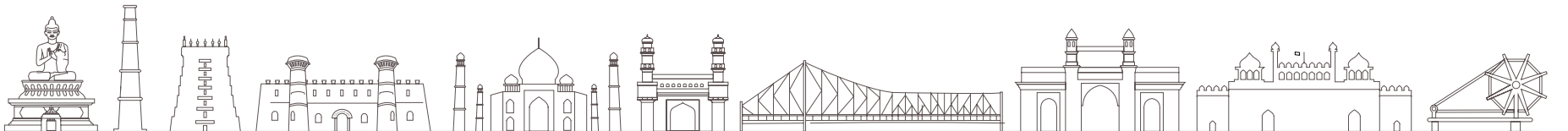
Konkani	Konkani Devanagri	Hindi	Konkani Roman	English
म्हज्या घरान गायों आनी पडकुला आसा ।	म्हज्या घरान गायों आनी पडकुला आसा ।	मेरे घर में तो गाय और बछड़े हैं।	mahajya gharaan gaayon aani padkula aasa.	I have cows and calves in my house.
म्हज्या गावांत म्हशी आणी बोकडयो आसा ।	म्हज्या गावांत म्हशी आणी बोकडयो आसा ।	हमारे गाँव में भैंस और बकरियाँ भी हैं।	mahajya gaavaant mhashi aani bokadyo aasaa.	There are Goats and buffaloes also in my village.
म्हज्या घरान एक पोपट आसलो पूण तो एक दिस उडोन गेलो आणी म्हाका खूब बरे दिसले।	म्हज्या घरान एक पोपट आसलो पूण तो एक दिस उडोन गेलो आणी म्हाका खूब बरे दिस।	मेरे घर में एक तोता था। एक दिन वह उड़ गया। मुझे बड़ा मज़ा आया।	mahajya gharaan ek popat aaslo purn to ek dis udon gelo aani mahakaa khub bare disle.	I had a parrot in my home. One day it flew away. I really enjoyed it.
अठरवों आनी एकोणिसावों दिस प्रवास	अठरवों आणी एकोणिसावों दिस प्रवास	अठारहवाँ और उन्नीसवाँ दिन यात्रा	Atharvon aani ekonisaavon dis pravaas	Eighteenth and Nineteenth day Travel
तुमका सुटिचे दिसानी खय भोवपाक आवडटा ?	तुमका सुटिचे दिसानी खय भोवपाक आवडटा ?	आप स्कूल की छुट्टियों में कहाँ घूमना पसंद करते हैं?	tumkaa sutiche disaani khay bhovpaak aavdtaa ?	Where do you like to visit during the holidays?



Konkani	Konkani Devanagri	Hindi	Konkani Roman	English
म्हाका सुटयेच्या दिसानी दोंगरार वचपाक खूब आवडटा।	म्हाका सुटयेच्या दिसानी दोंगरा रवचपाक खूब आवडटा।	मुझे गर्मी की छुटियों में पहाड़ों पर घूमना पसंद है।	mahakaa suteyechaya disaani dongraar vachpaak khub aavdtaa.	I like to visit mountains during summer holidays.
सुटयेच्या दिसानी तुमी खय भावपाक वचूक सोद्ता ?	सुटयेच्या दिसानी तुमी खय भावपाक वचूक सोद्ता ?	इन छुटियों में कहाँ जाने वाले हो?	Suteyechaya disaani tumi khaye bhavpaak vachuk soddta?	Where are you planning to visit in this vacation?
हया सुटयेच्या दिसानी हाव सिक्किम नाजाल्यार काश्मीरक वयतलो ।	हया सुटयेच्या दिसानी हाव सिक्किम नाजाल्यार काश्मीरक वयतलो ।	मैं तो इन छुटियों में सिक्किम या कश्मीर जाने वाली/वाला हूँ।	hayaa suteyechaya disani haav Sikkim najalyaar kaashmirak vaytalo.	I will be visiting either Sikkim or Kashmir in the holidays.
म्हजी इत्सा आसा सुटयेच्या दिसान दिल्लीक नाजाल्यार अंदमानाक वचपाची ।	म्हजी इत्सा आसा सुटयेच्या दिसान दिल्लीक नाजाल्यार अंदमानाक वचपाची ।	मेरी इच्छा तो सर्दी की छुटियों में गोवा या अंडमान जाने की है।	mahaji itasaa aasaa suteyechaya disaan dillik naajaalyaar andmaanak vachpaachi.	I would like to go to Delhi or Andaman during the winter holidays.
अरे! पूण अंदमान तर समुद्राच्या भीतर आसा थय कसी वयतले तू ?	अरे! पूण अंदमान तर समुद्राच्या भीतर आसा थय कसी वयतले तू ?	अरे! अंडमान तो समुद्र के अंदर है, वहाँ कैसे जाते हैं?	Are! purn andmaan tar samoondrachaya bheetar aasa thay kasi vaytale?	Hey! Andaman is in Ocean, how do people go there?



Konkani	Konkani Devanagri	Hindi	Konkani Roman	English
थय विमानान नाजाल्यार बोटीन वचपाक मळला ।	थय विमानान नाजाल्यार बोटीन वचपाक मळला ।	वहाँ हवाई जहाज़ और पानी वाले जहाज़ दोनों से ही जा सकते हैं।	thay vimaanaan naajaalyaar boteen vachpaak mala	One can go there by an aeroplane or by a ship.
बिसावो दिस स्वप्न	बिसावो दिस स्वप्न	बीसवाँ दिन मेरे सपने/लक्ष्य	Bisaavo dis Swapn/Hetu	Twentieth day My Dream/Aim
शिकुन किते जावपाक सोदता?	शिकुन किते जावपाक सोदता?	आप पढ़-लिखकर क्या करना चाहते हैं?	tumi shikun kite jaavpaak soddtaa ?	What do you want to do after studies?
हाव एक लेखिका जवपाक सोदता।	हाव एक लेखिका जवपाक सोदता।	मैं लेखक बनना चाहती/ चाहता हूँ।	haav ek lekhikaa jaavpaak soddtaa.	I want to be a writer.
हाव म्हज्या घरातल्या वाबरान न हाथभार लायतले ।	हाव म्हज्या घरातल्या वाबरान न हाथभार लायतले ।	मैं अपने घरेलू व्यवसाय में सहयोग करूंगी/ करूंगा ।	haav mahajyaa ghraatlyaa vaabraan na haathbhar laaytale.	I want to support our family business.
जशे कसले वावर ?	जशे कसलों वावर ?	जैसे, किस तरह का व्यवसाय?	jashe kaslon vaavar?	Like, what kind of business?



Konkani	Konkani Devanagri	Hindi	Konkani Roman	English
शेता, पोरसा, दुकाना आणी कपड्याचो धंधो ।	शेता/ पोरसा/ दुकाना/ आणी कपड्याचो धंधो ।	खेती-बाड़ी/ बागवानी/ दुकान/ कपड़े का व्यवसाय।	shetaa, porsaa, dukaanaa aani kapadyacho dhandhon.	Farming/ gardening/ shop/ cloth business.
हाव रजनीतित वचपाक सोदता।	हाव रजनीतित वचपाक सोदता।	मैं राजनीति में जाना चाहती/ चाहता हूँ।	haav rajnitit vachpaak sodtaa.	I want to join politics.
म्हजे स्वप्न एवरेस्ट टाचेर वचपाचे आसा।	म्हजे स्वप्न एवरेस्ट टाचेर वचपाचे आसा।	मेरा सपना एवरेस्ट पर जाने का है।	mahaje swapn Everest taacher vachpaache aasaa.	My dream is to climb the Mount Everest.
हाव तर सैनिक जवपाक सोदता ।	हाव तर सैनिक जवपाक सोदता ।	मैं तो सैनिक बनना चाहती/ चाहता हूँ।	haav tar sainik javpaak sodtaa.	I want to become a soldier.



Grateful Acknowledgements are made to:

Ratnottama Das, Munshi Md. Younus, Chofia Basumatary, Bharat Bhushan, Sunita Gupta, Sharada, Satyanath, Mohan S. Niklje, Sushma Jatoo, Dhananjaya Kumar Acharya, Parmananda Jha, Reshma, Dabir Prachiti, Usha Joshi, Chakrapani Pokhrel, Ravi Prakash Tekchandani, Tamil Bharathan, Rajendra Mehta, C. Binodini Devi, Prithvi Raj Thapar, Indra Tekchandani, Parmananda Jha, Gayatri, Bishwajit Barua, Sunil Kumar, Rongjali Rabha, Krishna Aryal, Ranjit Behera, Jiten Murmu, Ashok Kumar, Preeti Shukla, M. Kishan, Yasmin Ashraf, Sandhya Singh, Amarendra Behera, Bharti Kaushik, K. C. Tripathi, Sandhya Sahoo, Mohd. Faruq Ansari, Lalchand Ram, Mohd. Moazzamuddin, Sanjay Kumar Suman, Diwan Hannan Khan, Kirti Kapur, Jatindra Mohan Mishra, R. Meganathan, Pramod Kumar Dubey, Chaman Ara Khan, Naresh Kohli, Meenakshi Khar, Ved Prakash Mishra, Neelkanth Kumar, Rajesh K. Nimesh, Suresh Makwana, (Late) S. G. Wadekar, Tarkeshwar Gupta, Abhishek Kumar Singh, Shakuntla, Moti Lal, Raj Roop, Mahesh Kumar Meena, Kiran Arora, Haseen Khan, Ashish Goyal, Munna, Gurindar Kaur, Ravi Ranjan, Shikha Patwa, Amit Kagra, Paromita Raha, Aarif, Chandan Kumar, Neelkanth Pan, Kriti Gautam, Abdur Razzaque Ziyadi, Imtiyaz Ahmad, Mohd. Tameer, Mohd. Fazil, Shabbir Ahmad, Gagan Arora, Rajat Kumar, Anita, Rekha, Nitin Tanwar, Devkee Nandan, Monu Kumar, Ata Hussain, Ashish Kumar, Jitin, Vivek Mandal, Himanshu, Bharti Singh, Megha Sharma, Riya Kumari, Usha Rawat, Karuna Shankar Tiwari, Devendar, Mukesh Vandana Arimardan, Vimlesh Chaudhary, Ajit Horo, Shanu Mukseem, B. Lungdoh, Amit Kumar, Kusumlata, Meenakshi Kukreti, Tanu Gupta, Jagbandhu Jana, Saumya Malik, Mayank kumar, Vikas Sangwan, Vikash K, Radhe Krishna, Saurav, Yogesh, Vivek Gupta, Deepak Bhardwai, Sanjeet Kumar, Payal Bose, Vijay Kumar, Rashik, Nikhil Sharma, Ankit Bairagi, Vipul Pal, Priya Tiwari and Gautami Gautam.

For queries and comments please contact:

The Joint Director
Central Institute of Educational Technology (CIET)
NCERT, New Delhi 110016
E-Mail: jdciet.ncert@nic.in
Phone: 91-11-26962580

The Head
Department of Education in Languages
NCERT, New Delhi 110016
E-Mail: del.ncert@gmail.com
Phone: 91-11-26565336



विद्यया ऽ मृतमश्नुते



एन सी ई आर टी
NCERT

National Council of Educational Research and Training

Sri Aurobindo Marg, New Delhi-110016

Tel: +91-11-26519154 Fax: +91-11-26519159

Email: director.ncert@nic.in